न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही
(पीठासीन अधिकारीः आशाराम डूडी, आर.ए.एस.)

(1) प्रकरण संख्याः 17/2018

(2) दायरा दिनांकः 12.12.2018

सायल

स्टेट जरिये जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही

बनाम

गैरसायल

रविन्द्र कुमार पुत्र श्री मूलाराम, जाति- हीरागर, निवासी- झूपाघाट, सिरोही, पुलिस थाना सिरोही, जिला- सिरोही

''इस्तगासा अर्न्तगत धारा 3 राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम, 1975''

उपस्थितिः

1. सहायक लोक अभियोजक
2. गैरसायल स्वयं व गैरसायल के अधिवक्ता श्री महेन्द्र सिंह

-: निर्णय :- दिनांक 09 जनवरी, 2019

(1) संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है। जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही द्वारा गैरसायल रविन्द्र कुमार पुत्र श्री मूलाराम, जाति- हीरागर, निवासी- झूपाघाट, सिरोही के विरुद्ध यह इस्तगासा राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा- 3 के तहत प्रस्तुत कर अनुरोध किया कि गैरसायल आले दर्जे का जुआरी है एवं जुआं के अपराध करने का आदि है। जो आम लोगों को जुआं खेलने के लिये प्रेरित कर जुआं खेलाता रहता है। गैरसायल के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के बावजूद भी उक्त अपराध पर रोक नही लग पाई है। गैरसासयल का जुआ खेलने व खिलाने से आम लोगों व बच्चों पर दुष्प्रभाव की शिकायत समय समय पर मिलती रहती है, लेकिन गैरसायल के विरुद्ध साक्ष्य देने हेतु लोग तैयार नही होते है। गैरसायल के विरुद्ध जुआं खेलते पकडा जाने पर पुलिस थाना सिरोही में राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश 1949 की धारा 13 के तहत 3 प्रकरण दर्ज हुये है तथा इन तीनों प्रकरणों में गैरसालय के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये जिनमें संबंधित न्यायालय द्वारा गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराते हुए जुर्माने/सजा से दण्डित किया है। गैरसायल जुआं खेलने में लिप्त है जो बावजूद सजा के भी निरन्तर आपराधिक प्रवृति में लिप्त है जो आदतन जुआं खेलने व आम लोगों को जुआं खेलने के लिये प्रेरित करने से आम जनता में भय व्याप्त है व लोग गैरसायल के भय से पुलिस को सूचना देने से कतराते है। गैरसायल राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3(बी)3(सी) में वर्णित अपराध करने का आदि है और मौजूदा समय में ऐसे अपराध करने में लिप्त है, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध कानूनी सलूक फरमाकर जिले से निष्कासित किया जावे।

(2) प्रस्तुत इस्तगासे पर गैरसायल के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया जाकर गैरसायल को नोटिस जारी किया गया एवं नोटिस के साथ गैरसायल पर लगाये गये आरोपों की प्रति

.....पेज दो पर

अति. जिला मजिस्ट्रेट
सिरोही-307001.

भी तामिल करवाई गई। जिस पर प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत दिनांक 09.1.2019 को गैरसायल इस न्यायालय में उपस्थित हुआ एवं गैरसायल की ओर से अधिवक्ता श्री महेन्द्र सिंह उपस्थित हुये। गैरसायल ने लोक अदालत की भावना से जुर्म/आरोप स्वीकार कर प्रकरण का आज ही निस्तारण करने का अनुरोध किया।

(3) प्रकरण में गैरसायल द्वारा आरोप स्वीकार कर लिये जाने से सहायक लोक अभियोजक एवं गैरसायल को सुना गया। सहायक लोक अभियोजक ने बहस के दौरान इस्तगासें में अंकित तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह व्यक्त किया कि गैरसायल के विरुद्ध राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश 1949 की धारा 13 के तहत पुलिस थाना सिरोही में 3 प्रकरण दर्ज हुये जिनमें गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये एवं इन तीनों प्रकरणों में संबंधित न्यायालय द्वारा गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराते हुए सजा/जुर्माने से दण्डित किया गया है। गैरसायल आले दर्जे का जुआरी है तथा जुआं संबंधी अपराधों में लिप्त है। इसकी ऐसी आपराधिक गतिविधियों के कारण क्षेत्र में कई गरीब परिवार अपनी जमा पूंजी जुऐं में गवा चुके है। गैरसायल के ऐसे आपराधिक कृत्यों से आम जन में भय व्याप्त है तथा लोग इसके विरुद्ध साक्ष्य देने से कतराते है, इसलिये गैरसायल की इन आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु गैरसायल को छः माह की अवधि के लिये जिले से निष्कासित किया जावे। जबकि गैरसायल के अधिवक्ता ने बहस के दौरान यह व्यक्त किया कि गैरसायल ने उक्त मुकदमों में लोक अदालत की भावना से जुर्म स्वीकार किया था। गैरसायल अब जुआं संबंधी अपराधों में लिप्त नही है एवं मजदूरी करके अपना भरण पोषण कर रहा है। उसने कभी शांति भंग नही की है व न ही कभी किसी भी व्यक्ति के साथ झगडा फिसाद किया है। वह अब अपराध नही करेगा, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध यह कार्यवाही ड्रॉप की जावे।

(4) प्रकरण में सुनी गई बहस पर मनन किया गया एवं न्यायालय पत्रावली तथा पत्रावली उपलब्ध साक्ष्यों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन व अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक, सिरोही की रिपोर्ट अनुसार गैरसायल रविन्द्र कुमार पुत्र श्री मूलाराम, जाति- हीरागर, निवासी- झूपाघाट, सिरोही के विरुद्ध पुलिस थाना, सिरोही में राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश 1949 की धारा 13 के तहत अपराध संख्या 56/12.4.2018, 125/11.7.2018 व 193/26.9.2018 को दर्ज हुये, जिनकी प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियां न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। पुलिस अधीक्षक, सिरोही की रिपोर्ट अनुसार धारा 13 आर.पी.जी.ओ. के तहत गैरसायल के विरुद्ध दर्ज उक्त मुकदमों में बाद तफतीश गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये है, जिनके आरोप पत्रों की प्रतियां भी न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी पाया गया कि उक्त अपराध संख्या 56/12.4.2018, 125/11.7.2018 व 193/26.9.2018 में संबंधित न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक क्रमशः 18.5.2018, 26.7.2018 व 04.10.2018 के अनुसार गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराया गया है। इससे, यह स्पष्ट है कि गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2(ख)(V) में वर्णित अपराध करने का दोषी है व गुण्डा की श्रेणी में आता है, लेकिन गैरसायल के विरुद्ध दिनांक 26.9.2018 के बाद किसी प्रकार का कोई

....तीन पर

अति. जिला मजिस्ट्रेट
सिरोही-307001.

मुकदमा दर्ज होने बाबत कोई साक्ष्य पत्रावली पर उपलब्ध नही है। गैरसायल द्वारा लोगों को धमकानें व आतंकित करने के संबंध में भी साक्ष्य न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध नही है। गैरसालय के विरुद्ध उक्त तीनों मुकदमों के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार का मुकदमा दर्ज होने बाबत कोई साक्ष्य न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध नही है। गैरसायल के विरुद्ध शांतिभंग करने के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही हुई हो, ऐसी भी साक्ष्य न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध नही है।

अतः उपरोक्त सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक, सिरोही द्वारा प्रस्तुत इस्तगासे को आंशिक रुप से स्वीकार करते हुए गैरसायल रविन्द्र कुमार पुत्र श्री मूलाराम, जाति- हीरागर, निवासी- झूपाघाट, सिरोही को छः माह की अवधि के लिये नेकचलनी व शांति बनाये रखने हेतु पाबन्द कर आदेशित किया जाता है कि गैरसायल एक सामान्य व अच्छे नागरिक की तरह जीवन यापन करेगा तथा गैरसायल भविष्य में कोई आपराधिक कृत्य नही करेगा। गैरसायल उक्त निर्देश/निर्बन्धन एवं शर्तो का सम्यक पालन करने की दृष्टि से उक्त अधिनियम की धारा 7(1) के तहत रुपये पचास हजार रुपये का स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत करेगा। निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।

(आशाराम डूडी)
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
सिरोही